

कक्षा : सातवीं : गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	शकुनि का प्रवेश
शीर्षक	चरित्र - चित्रण
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	चार
कौशल	वाद-विवाद, तार्किकता, वाचन
आवश्यक सामग्री	रंगीन , कागज़, कलम और कार्यपत्र

चरण:-

1. शैक्षिक अधिगम:-

- * विद्यार्थी प्रभावशाली लेखन और वाचन द्वारा वाद-विवाद की कला से अवगत हो सकेंगे।
- * सामूहिक कार्य करते हुए विद्यार्थियों में एकजुटता की भावना का विकास हो सकेगा।
- * विद्यार्थियों के सामाजिक, पर्यावरणिक जागरूकता में वृद्धि हो सकेगी।

2. अध्यापिका गतिविधि:-

- * अध्यापिका द्वारा कक्षा के सभी विद्यार्थियों को चार-चार के समूह में बाँटा जाएगा।
- * अध्यापिका पठित पाठ से 'शकुनि, धृतराष्ट्र, दुर्योधन' जैसे पात्रों के चरित्र को आधार बनाकर "समाज के विकास में बाधक नकारात्मक तत्व" विषय वाद-विवाद हेतु विद्यार्थियों को देंगी।
- * अध्यापिका के निर्देशन में प्रत्येक समूह के दो विद्यार्थी विषय के पक्ष और दो विपक्ष में विचार-विनिमय कर वाद-विवाद की तैयारी करेंगे। लिखित साक्ष्य बाद में अध्यापिका को देंगे।
- * विद्यार्थी पहले विषय के पक्ष फिर विपक्ष में बारी-बारी से आकर अपनी प्रस्तुति दिखायेंगे।
- * अध्यापिका मौखिक प्रस्तुति का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी।
- * अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी।

3. विद्यार्थी - गतिविधि:-

- * अध्यापिका के निर्देशन में प्रत्येक समूह के दो-दो विद्यार्थी विषय के पक्ष और विपक्ष में विचार-विनिमय कर वाद-विवाद की तैयारी कर लिखेंगे तथा लिखित साक्ष्य बाद में अध्यापिका को देंगे।
- * पहले विषय के पक्ष फिर विपक्ष में बारी-बारी से आकर अपनी प्रस्तुति देंगे।
- * सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे।

4. मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: शकुनि का प्रवेश

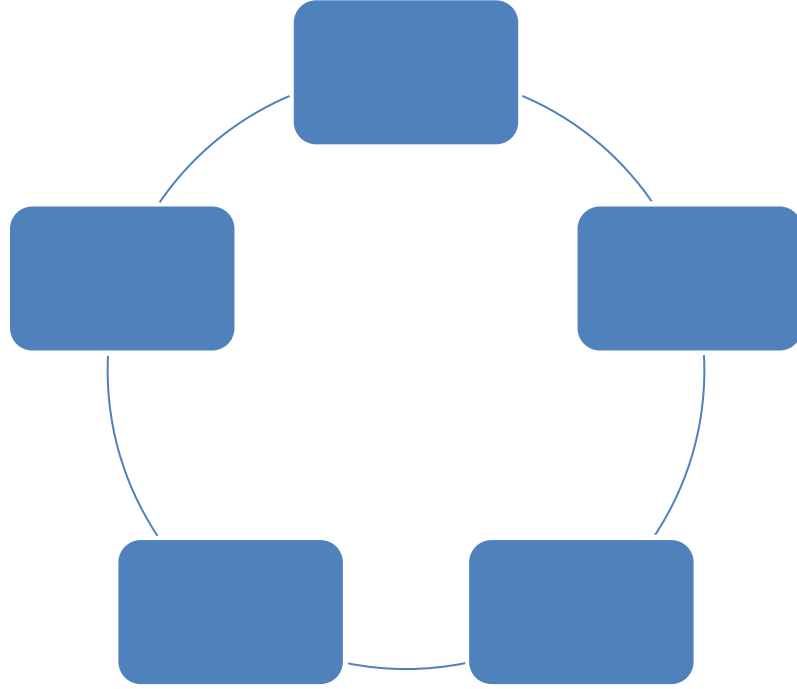
विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : चरित्र - चित्रण

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. निम्नलिखित खानों में महाभारत के सकारात्मक एवं नकारात्मक पात्रों के नाम एवं उनकी विशेषताएँ लिखिए ।

1. सकारात्मक (कोई पाँच)



2. नकारात्मक (कोई पाँच)

